देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 15 अंक: 77 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...न रहे संदेह

पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 19 जून 2020

मौसम अधिकतम 37.0° न्यूनतम 22.0°

34208.05 | 2 भारत को चीन ने दी फिर धमकी | 7 इस विरासत पर खुश हैं सौरभ गांगुली

संप्रभुता से कोई समझौता नहीं

भारत की चीन को दो टूक, अपनी हद में सीमित रखें गतिविधियां

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत ने फिर से स्पष्ट कर दिया है कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से कोई समझौता नहीं हो सकता है, चाहे परिस्थिति कुछ भी हो और सामने कोई भी हो। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि भारत मतभेदों के शांतिपूर्ण समाधान का पक्षधर रहा है, लेकिन हालात के मुताबिक हर तरह की कार्रवाई को भी तैयार रहता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि चीन अपनी गतिविधियां अपने इलाके तक सीमित रखेगा।

छह घंटे चली मेजर जनरल लेवल की मीटिंग: उन्होंने आगे कहा, उम्मीद करते हैं कि चीन अपनी गतिविधियां अपनी सीमा के अंदर सीमित रखेगी। श्रीवास्तव ने बताया कि भारत और चीन के बीच संपर्क अभी टूटा नहीं है और अलग-अलग स्तर पर बातचीत जारी है। इसी के तहत, दोनों देशों के बीच गुरुवार को भी मेजर जनरल लेवल की मीटिंग हुई। पूर्वी लद्दाख में जारी गतिरोध के शांतिपूर्ण समाधान का रास्ता तलाशने के लिए दोनों पक्षों की यह मीटिंग छह घंटे तक चली।

क्षेत्रीय अखंडता सर्वोच्च प्राथमिकता: विदेश मंत्रालय

विदेश मंत्रालय ने वंदे भारत मिशन को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी जिसमें चीन के साथ जारी विवाद पर सवालों की बौछार हो गई। इन सवालों पर मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम सीमाई इलाकों में शांति और सौहार्द का माहौल बनाए रखने की जरूरत अच्छी तरह समझते हैं। साथ ही हम बातचीत के जरिए मतभेदों को सुलझाने के पक्षधर हैं। हालांकि, जैसा कि प्रधानमंत्री ने बुधवार को कहा, हम भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित करने को लेकर बेहद प्रतिबद्ध हैं।

भारत का एक भी सैनिक अब लापता नहीं: इधर, इंडियन आर्मी ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत का एक भी सैनिक अब लापता नहीं है। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून को चीनी सैनिकों के धोखे में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए जबकि कुछ के लापता होने की आशंका जताई जा रही थी। चीनी सैनिकों ने घाटी के पैट्रोलिंग पॉइंट 14 पर स्थाई निर्माण कर लिया था जिस पर आपत्ति जताने गए भारतीय सैनिकों पर पहले से तैयार चीनी सैनिकों ने बर्बरतापूर्ण हमला कर दिया।

कैसे पड़ा गलवान नाम: लद्दाख के रहने वाले गुलाम रसूल गलवान का जन्म 1878 में हुआ था। गलवान ने 19वीं सदी में यूरोप के कई जाने-माने माउंटेन क्लाइम्बर्स की मदद की। उन्होंने अपनी किताब सर्वेंट्स ऑफ साहिब में एक से एक अभियानों की डिटेल्स दी हैं।

निहत्थे सैनिक के सवाल पर राहुल को जयशंकर का जवाब

भारतीय जवानों की शहादत पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि ये सैनिक निहत्थे चीनी सैनिकों के आगे भेजे गए थे। इस पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया कि बॉर्डर ड्यूटी में तैनात हर सैनिक हथियारों से लैस रहता है। जयशंकर ने कहा कि 15 जून को भी भारतीय सैनिक हथियार के साथ मौके पर गए थे, लेकिन गोलीबारी नहीं करने की लंबी परंपरा का पालन करते हुए उन्होंने इनका इस्तेमाल नहीं किया था।

संक्षिप्त समाचार

पीएम ने लॉन्च की कोयला खानों की नीलामी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को 41 कोयला खदानों की नीलामी की प्रक्रिया को लॉन्च किया। इस लॉन्चिंग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा, इतने चुनौतीपूर्ण समय में इस तरह के इवेंट का होना, आप सभी का उसमें शामिल होना एक बड़ी आशा जगाता है और विश्वास का एक बड़ा संदेश लेकर आता है। भारत कोरोना से लड़ेगा भी और आगे बढ़ेगा भी। आपदा कितनी भी बड़ी क्यों ना हो, भारत उसे अवसर में बदलने के लिए कृतसंकल्प है। प्रधानमंत्री ने इस नीलामी प्रक्रिया के उद्घाटन कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया है।

भारत-चीन बॉर्डर पर तनाव, राम मंदिर का भूमिपूजन कार्यक्रम टला

संवाददाता अयोध्या। चीन के साथ तनाव का असर अयोध्या में राम मंदिर निर्माण पर भी पड़ा है। मंदिर के भूमि पूजन का कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि मंदिर के भूमि पूजन का कार्यक्रम ऐसे माहौल में सही नहीं है, इसलिए अब आगे का काम अनुकूल हालात में ही शुरू होगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल मंदिर निर्माण और भूमि पूजन का कोई कार्यक्रम नहीं है।

सरकार चला नहीं सकते तो इस्तीफा क्यों नहीं दे रहे सीएम

संवाददाता देहरादून। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सिंह आनंद ने राज्य के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि उनसे राज्य चल ही नहीं रहा है तो इस्तीफा क्यों नहीं दे रहे हैं। श्री आनंद ने कहा कि सरकार का माननीय उच्च न्यायालय में यह कहना कि उनके पास रोडवेज कर्मचारियों की दो माह की तंख्वाह के लिए पैसे नहीं है बहुत ही निंदनीय है।

गांव में ही प्रवासियों को मिलेगा रोजगार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■20 जून पीएम लान्च करेंगे गरीब कल्याण रोजगार अभियान

कोरोना संकट के कारण लाखों-करोड़ों प्रवासी मजदूर अपने गांव लौट चुके हैं। इन्हें रोजगार देने के मकसद से मोदी सरकार ने श्गरीब कल्याण रोजगार अभियानश शुरू करने का फैसला किया। 20 जून को खुद प्रधानमंत्री मोदी इस मिशन की शुरुआत बिहार से करेंगे। उससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि हमने पूरे देश में 116 जिलों की पहचान की है जहां बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर घर वापस हुए हैं।

उन्होंने कहा कि बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, एमपी, ओडिशा और राजस्थान में प्रवासी मजदूर बड़ी संख्या में घर लौटे हैं। उनके लिए रोजगार उपलब्ध करवाना हमारी पहली प्राथमिकता है।

125 दिनों के लिए यह अभियान: रोजगार देने के मकसद से गरीब कल्याण रोजगार अभियान को 125 दिनों के लिए लागू किया जाएगा। सरकार की 25 स्कीमें शामिल की जाएंगी। प्रवासी मजदूरों की मदद से सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेगी।

इस अभियान का बजट 50 हजार करोड़: सरकार ने गरीब कल्याण रोजगार अभियान का बजट 50 हजार करोड़ रुपये रखा है। कामगारों को स्किल के हिसाब से 25 सरकारी स्कीम के काम दिए जाएंगे। इस अभियान को लागू करने से पहले सरकार ने स्किल मैपिंग की है।

सीमा पर शहीद जवानों की यादें रहेंगी जिंदा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चंडीगढ़। लद्दाख में भारत-चीन बार्डर पर गलवन घाटी में चीनी सैनिकों से झड़प में शहीद हुए 20 भारतीय सैनिकों ने अपनी अंतिम सांस तक अदम्य साहस का परिचय दिया। उनकी शहादत से पूरा देश गमगीन है, लेकिन उनके सर्वोच्च बलिदान पर गर्व भी है। इन सभी रणबाकुरों का पार्थिव शरीर गुरूवार को उनके पैतृक निवासों में पहुंचा जंहा पूरे राजकीय सम्मान के साथ शहीदों का अंतिम संस्कार हुआ। इनके हौसले और वीरता की कहानी सबकी जुबां पर है और ये कहानियां हमेशा जिंदा रहेंगी। कोई सीमा पर अपने दायित्व का निर्वाह करने के लिए सगे भाई की शादी में नहीं आया तो किसी की बस कुछ दिनों में शादी थी। लेकिन, मातृभूमि की सेवा का जुनून ऐसा था कि अपनी खुशियों की कोई परवाह नहीं रही। इन जाबांजों ने अपने परिवारों से जल्ध्द घर आने का वादा किया था, लेकिन ऐसे आएंगे यह किसी को पता नहीं था।

गलवान घाटी की घटना के बाद रेलवे ने लिया बड़ा फैसला

चीनी कंपनी को झटका रेलवे ने छीना कॉन्ट्रैक्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। गलवान घाटी की घटना के बाद #BoycottChina अभियान जोर पकड़ रहा है। भारतीय रेलवे ने चीन की कंपनी बीजिंग नैशनल रेलवे रिसर्च ऐंड डिजाइन इंस्टिट्यूट ऑफ सिग्नल ऐंड कम्युनिकेशन लिमिटेड को दिए कॉन्ट्रैक्ट को कैंसल कर दिया है। इस कंपनी को कानपुर-दीन दयाल उपाध्याय सेक्शन को बनाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला था। यह करीब 417 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर है।

समस्याओं पर कंपनी ने कोई ध्यान नहीं दिया

रेलवे की तरफ से कहा गया है कि इस काम देरी की पूरी संभावना है, क्योंकि कंपनी ने अभी तक किसी भी लोकल एजेंसी के साथ किसी तरह का कोई करार नहीं किया है। ऐसे में कामकाज में तेजी कैसे आत सकती है। रेलवे का यह भी कहना है कि इस बाबत कई बार कंपनी के अधिकारियों संग बैठक हुई, जिसमें उनसे इन समस्याओं के बारे में बार-बार अवगत कराया गया। इसके बावजूद उन्होंने इसपर ध्यान नहीं दिया।

डीआटी ने बीएसएनएल से कहा कि चीन से बंद करे

इक्विपमेंट्स इंपोर्ट: इससे पहले बुधवार को डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकम्युनिकेशन ने बीएसएनएल से कहा था कि वह 4जी अपग्रेडेशन के लिए चाइनीज टेलिकॉम इक्विपमेंट्स का इस्तेमाल नहीं करे। उसने कहा कि वह बीएसएनएल के 4जी अपग्रेडेशन का टेंडर कैंसल कर देगा और नए टेंडर में चीनी कंपनियों को बोली लगाने की इजाजत नहीं मिलेगी।

चीन की कंपनी को रेलवे ने जून 2016 में दिया गया था कन्ट्रैक्ट

चीन की कंपनी को रेलवे ने जून 2016 में यह कॉन्ट्रैक्ट 471 करोड़ में दिया था। पिछले चार सालों में केवल 20 फीसदी कामकाज हुआ है। कॉन्ट्रैक्ट कैंसल करने को लेकर कहा गया कि कंपनी अग्रीमेंट के मुताबिक इस प्रॉजेक्ट को लेकर टेक्निकल डॉक्युमेंट जैसे लॉजिक डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग नहीं जमा की है। इसके अलावा साइट पर कंपनी का कोई इंजिनियर या अधिकारी भी उपलब्ध नहीं होता थे।

इजाजत दी तो माफ नहीं करेंगे भगवान

पुरी रथयात्रा पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

भुवनेश्वर। महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा इस साल नहीं होगी। इस साल पुरी रथयात्रा को स्थगित रखने के लिए सुप्रीमकोर्ट ने निर्देश दिया है। महामारी कोरोना के कारण इस साल रथयात्रा होगी या नहीं उस पर अनिश्चितता लगी हुई थी, जिस पर आज सुप्रीमकोर्ट ने सुनवाई कर यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

सुप्रीमकोर्ट के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस एस ए बोबडे की अध्यक्षता में बैठी तीन सदस्यीय खंडपीठ ने इस मामले की सुनवाई की थी। लोगों की सुरक्षा एवं जनहित के लिए रथयात्रा को बंद करने की बात न्यायाधीश ने कही है।

सुप्रीमकोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने कहा है कि यदि सुप्रीमकोर्ट रथयात्रा करने की अनुमति देती है तो फिर भगवान जगन्नाथ हमें क्षमा नहीं करेंगे। केवल पुरी नहीं, बल्कि इस साल पूरे ओडिशा में किसी भी जगह पर रथयात्रा नहीं होगी।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in